

व्यावसायिक योजना
आय उत्पन्न करने वाली गतिविधि - कैंचूआ खाद
द्वारा
हाटेश्वरी स्वयं सहायता समूह बजानु



एसएचजी/सीआईजी का नाम	::	हाटेश्वरी
वीएफडीएस नाम	::	चेतना वीएफडीएस बडियार-बजानु
क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	::	सरस्वती-नगर
मण्डलीय प्रबन्धन इकाई	::	रोहडू

के तहत तैयार:



हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए
परियोजना (जेआईसीए असिस्टेड)

विषय सूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	पृष्ठभूमि	3
2	स्वयं सहायता समूह / सामान्य हित समूह का विवरण	4
3	लाभार्थियों का विवरण	5
4	गांव का भौगोलिक विवरण	5
5	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
6	उत्पादन प्रक्रियाएं	6
7	उत्पादन योजना	7
8	बिक्री और विपणन	7
9	ताकत, कमजोरियों, अवसरों, खतरों का विश्लेषण	8
10	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	8
11	अर्थशास्त्र का विवरण	9-11
12	आर्थिक विश्लेषण का अनुमान	12
13	फंड की आवश्यकता	12
14	फंड के स्रोत	12
15	बैंक ऋण चुकौती	13
16	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	13
17	निगरानी विधि	13
18	समूह सदस्य तस्वीर	14

1. पृष्ठभूमि

सरल उत्पादन तकनीकों, पारिस्थितिक, आर्थिक और इससे जुड़े मानव स्वास्थ्य लाभों के कारण वर्मीकम्पोस्टिंग देश में एक मजबूत मुकाम हासिल कर रहा है। विशेष रूप से देश के दक्षिणी और मध्य भागों में गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के तकनीकी मार्गदर्शन के तहत, उद्यमियों द्वारा सरकार के समर्थन के तहत, वर्मीकम्पोस्टिंग इकाइयों की एक महत्वपूर्ण संख्या स्थापित की गई है।

वर्मीकम्पोस्टिंग के प्रत्यक्ष पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ हैं क्योंकि यह स्थायी कृषि उत्पादन और किसानों की आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कई गैर सरकारी संगठन, समुदाय आधारित संगठन (सीबीओ), स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), ट्रस्ट आदि हैं जो अपने स्थापित आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों के कारण वर्मीकम्पोस्टिंग प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

कृमि खाद

वर्मी कम्पोस्टिंग, केंचुओं का उपयोग करके खाद बनाने की वैज्ञानिक प्रक्रिया है। वे ज्यादातर मिट्टी में रहते हैं, बायोमास पर भोजन करते हैं और इसे पचे हुए रूप में उत्सर्जित करते हैं। वर्मीकम्पोस्ट एक प्रकार की जैविक खाद है। यह केंचुओं की कई प्रजातियों का उपयोग करके जैविक कचरे को खाद बनाकर प्राप्त किया जाता है। वर्मी कम्पोस्ट बनाने की इस विधि को वर्मी कम्पोस्ट कहते हैं। केंचुओं को पालने/उपयोग करके कम्पोस्ट का उत्पादन वर्मी कम्पोस्टिंग तकनीक कहलाता है। यह छोटे और बड़े पैमाने के किसानों दोनों के लिए खाद के उत्पादन के लिए सबसे सरल और लागत प्रभावी तरीकों में से एक है। वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन इकाई किसी भी ऐसी भूमि में स्थापित की जा सकती है जो किसी भी आर्थिक उपयोग के अधीन नहीं है बल्कि छायादार और पानी के ठहराव से मुक्त है। स्थल भी जल संसाधन के निकट होना चाहिए

वर्मीकम्पोस्टिंग, जिसे सही मायने में "कचरे से सोना" कहा जाता है, जैविक कृषि उत्पादन में प्रमुख इनपुट है। सरल तकनीक के कारण, कई किसान वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन में लगे हुए हैं क्योंकि यह मिट्टी के स्वास्थ्य को मजबूत करता है, मिट्टी की उत्पादकता खेती की लागत को कम करती है।

पोषक तत्वों की उच्च मात्रा के कारण वर्मीकम्पोस्ट की मांग में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। दूसरे, बड़ी आबादी अब प्राकृतिक और जैविक उत्पादों की ओर बढ़ रही है।

2. स्वयं सहायता समूह/सीआईजी का विवरण

स्वयं सहायता समूह / सामान्य हित समूह का नाम	::	हाटेश्वरी
ग्राम वन विकास समिति	::	चेतना वीएफडीएस बडियार-बजानु
रैंज	::	सरस्वती नगर
वन मंडल	::	रोहड़ू
गाँव	::	बजानु
खंड	::	जुब्बल
जिला	::	शिमला
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	12
गठन की तिथि	::	अप्रैल, 2021
बैंक खाता संख्या	::	44810107230
बैंक विवरण	::	एचपी स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड सावरा
एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	100/-
कुल बचत		4200/-
कुल अंतर-ऋण		-----
नकद ऋण सीमा		-----
चुकोती स्थिति		-----

3. लाभार्थियों का विवरण:

क्रमांक	नाम	पिता/पति का नाम	उम्र	श्रेणी	आय स्रोत	पता
1	श्रीमती अनु	पत्नी श्री नरेश	32	सामान्य	कृषि	बजानु
2	सुश्री मीनाक्षी	पुत्री श्री बृज लाल	23	अनुसूचित जाति	कृषि	बजानु
3	श्रीमती रंजीता	पत्नी श्री प्रदीप रेलटा	28	सामान्य	कृषि	बजानु
4	श्रीमती रिकू	पत्नी श्री राजेश	42	सामान्य	कृषि	बजानु
5	श्रीमती कल्पना	पत्नी श्री राम लाल	41	अनुसूचित जाति	कृषि	बजानु
6	श्रीमती सुरिला	पत्नी श्री अमर सेन	40	अनुसूचित जाति	कृषि	बजानु
7	श्रीमती सुषमा	पत्नी श्री प्यारे लाल	40	अनुसूचित जाति	कृषि	बजानु
8	श्रीमती रंजना	पत्नी श्री दीपन लाल	28	अनुसूचित जाति	कृषि	बजानु
9	श्रीमती बिट्टू	पत्नी श्री चंदर सैन	42	अनुसूचित जाति	कृषि	बजानु
10	श्री अंकुश	पुत्र श्री रोशन लाल	18	अनुसूचित जाति	कृषि	बजानु
11	श्रीमती सुनम	पत्नी श्री अरुण राठौर	34	सामान्य	कृषि	बजानु
12	श्रीमती पूजा	पत्नी श्री गुलशन रेलटा	27	सामान्य	कृषि	बजानु

4. गांव का भौगोलिक विवरण

4.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	110 किमी
4.2	मेन रोड से दूरी	::	0200 मीटर की दूरी पर
4.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	::	अंन्टी/सरस्वती-नगर--14 किमी
4.4	मुख्य बाजार का नाम और दूरी		रोहडू, 31 किमी
4.5	मुख्य शहरों के नाम और दूरी		रोहडू, 31 किमी
4.6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	::	हि0प्र0 वन विभाग और रोहडू और जुब्बल

5. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

5.1	उत्पाद का नाम	::	कृमि खाद
5.2	उत्पाद पहचान की विधि	::	समूह इस गतिविधि को करने में रुचि रखता है। सेब की पट्टी होने के कारण वर्मी कम्पोस्ट की भारी मांग है। गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से तय की गई है
5.3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हां

6. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

चरण		विवरण
चरण-1	::	प्रसंस्करण जिसमें कचरे का संग्रह, कतरन, धातु का यांत्रिक पृथक्करण, कांच और चीनी मिट्टी की चीज़ें और जैविक कचरे का भंडारण शामिल है।
चरण-2	::	पशुओं के गोबर के घोल के साथ सामग्री को ढेर करके बीस दिनों के लिए जैविक कचरे का पूर्व पाचन। यह प्रक्रिया आंशिक रूप से सामग्री को पचाती है और केंचुआ खपत के लिए उपयुक्त है। मवेशियों के गोबर और बायोगैस के घोल को सुखाने के बाद इस्तेमाल किया जा सकता है। गीले गोबर का उपयोग वर्मीकम्पोस्ट के उत्पादन में नहीं करना चाहिए।
चरण -3	::	केंचुआ बिस्तर तैयार करना। वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने के लिए कचरे को डालने के लिए एक ठोस आधार की आवश्यकता होती है। ढीली मिट्टी कीड़े को मिट्टी में जाने देगी और पानी देते समय भी; सभी घुलनशील पोषक तत्व पानी के साथ मिट्टी में चले जाते हैं।
चरण 4	::	वर्मी कम्पोस्ट संग्रह के बाद केंचुओं का संग्रह। पूरी तरह से कंपोस्ट की गई सामग्री को अलग करने के लिए कंपोस्ट की गई सामग्री को छान लें। आंशिक रूप से कम्पोस्ट की गई सामग्री को फिर से वर्मी कम्पोस्ट बेड में डाल दिया जाएगा।
चरण-5	::	नमी बनाए रखने और लाभकारी सूक्ष्म जीवों को बढ़ने देने के लिए वर्मी-कम्पोस्ट को उचित स्थान पर संग्रहित करना।

7. उत्पादन योजना का विवरण

7.1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	90 दिन (वर्ष में तीन चक्र)
7.2	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	::	1
7.3	कच्चे माल का स्रोत	::	घर और अपने खेतों से

7.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	खुला बाजार
7.5	कच्चा माल - आवश्यक मात्रा प्रति चक्र (किलो) प्रति सदस्य	::	1800 किलो प्रति चक्र
7.6	प्रति सदस्य प्रति चक्र (किलो) अपेक्षित उत्पादन	::	900 किलोग्राम प्रति चक्र

8. विपणन/बिक्री का विवरण

8.1	संभावित बाजार स्थान	::	हि0प्र0 वन विभाग
8.2	इकाई से दूरी	::	स्थानिय बाज़ार अपने खेत पर प्रयोग करें
8.3	बाजार में उत्पाद की मांग	::	प्रधान कार्यालय वन विभाग उनकी नर्सरी के लिए विशाल वर्मी-कम्पोस्ट खरीद रहा है और इलाके में बगीचों की भारी मांग होगी
8.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	पीएमयू हिमाचल प्रदेश वन विभाग द्वारा स्वयं सहायता समूह द्वारा उत्पादित वर्मी-कम्पोस्ट की खरीद की सुविधा भी प्रदान करेगा।
8.5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य भविष्य में बेहतर बिक्री मूल्य के लिए अपने गांवों के आसपास अतिरिक्त विपणन विकल्प तलाशेंगे।
8.6	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन संबंधित सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
8.7	उत्पाद "नारा"		"प्रकृति के अनुकूल"

9. ताकत, कमजोरियाँ, अवसरों, खतरों का विश्लेषण (SWOT)

❖ शक्ति

- ➔ गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- ➔ एसएचजी के प्रत्येक सदस्य के पास प्रत्येक घर में 2 से 8 तक के मवेशी हैं
- ➔ एसएचजी सदस्यों के परिवार उच्च मूल्य की फसलों और सब्जियों की खेती कर रहे हैं जो पूरे वर्ष कच्चे माल यानी कृषि जैविक कचरे की पर्याप्त उपलब्धता प्रदान करते हैं।
- ➔ उनके खेतों में आसानी से उपलब्ध कच्चा माल
- ➔ विनिर्माण प्रक्रिया सरल है

- ➔ उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- ➔ परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
- ➔ उत्पाद का आत्म-जीवन लंबा

❖ कमजोरी

- ➔ विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- ➔ तकनीकी जानकारी का अभाव

❖ अवसर

- ➔ जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों में जागरूकता के कारण वर्मी कम्पोस्ट की बढ़ती मांग
- ➔ वर्मी कम्पोस्ट को अपने खेत में लगाने से मिट्टी की सेहत में सुधार और वृद्धि होगी और गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादों का उत्पादन होगा जो बेहतर मूल्य प्रदान करेगा।
- ➔ रसोई घर से बाहर रह गए घरेलू कचरे सहित जैविक कचरे का सर्वोत्तम उपयोग
- ➔ हिमाचल प्रदेश वन के साथ विपणन गठजोड़ की संभावना

❖ धमकी / जोखिम

- ➔ अत्यधिक मौसम के कारण उत्पादन चक्र के टूटने की संभावना
- ➔ प्रतिस्पर्धी बाजार
- ➔ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों के बीच प्रतिबद्धता का स्तर

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

- ➔ उत्पादन - कच्चे माल की खरीद सहित व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा इसका ध्यान रखा जाएगा
- ➔ गुणवत्ता आश्वासन - सामूहिक रूप से
- ➔ सफाई और पैकेजिंग - सामूहिक रूप से
- ➔ मार्केटिंग - सामूहिक रूप से
- ➔ इकाई की निगरानी - सामूहिक रूप से

11. अर्थशास्त्र का विवरण

(राशि वास्तविक रु. में)

क्रमांक	विवरण	इकाइयां	मात्रा/ संख्या	लागत (रु.)	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
ए	पूंजी लागत								
ए.1	गड्डे और शेड का निर्माण								
1	निर्माण के साथ-साथ श्रम लागत (गड्डे का आकार आंतरिक 10ftX4ftX2ft का होगा)	प्रति सदस्य	12	6000	72000	0	0	0	0
2	कवर शेड का निर्माण	प्रति सदस्य	12	4000	48000				
	उप-कुल (ए.1)				120000	0	0	0	0
ए.2	यंत्रावली और उपकरण								
3	औजार, उपकरण, वजन पैमाने आदि।	प्रति सदस्य	12	2000	24000	0	0	0	0
	उप-कुल (ए.2)				24000	0	0	0	0
	कुल पूंजीगत लागत (ए.1+ए.2)				144000	0	0	0	0
बी	आवर्ती लागत								
4	बीज केंचुआ	प्रति किलो	12	500	6000	0	0	0	0
5	गारा/गोबर/अपशिष्ट की खरीद की लागत	टन	70	900	63000	66150	69458	72930	76577
6	श्रम लागत	प्रति टन	35	700	24500	25725	27011	28361	29779
7	पैकिंग सामग्री	संख्या	4500	2	9000	9450	9922	10419	10940
8	अन्य हैंडलिंग शुल्क	प्रति टन	35	150	5250	5512	5788	6078	6381
सी	अन्य शुल्क								
9	बीमा	L/S			0	0	0	0	0
10	ऋण पर ब्याज	प्रतिवर्ष		2 प्रतिशत	3000	3000	3000	3000	3000
	कुल आवर्ती लागत				110750	109837	115179	120788	126677
	कुल लागत - पूंजी और आवर्ती				254750	109837	115179	120788	126677
डी	वर्मी कम्पोस्टिंग से आय								
11	वर्मी कम्पोस्ट की बिक्री	टन	35	6000	210000	220500	231525	243101	255256
12	केंचुआ की बिक्री					5000	10000	10000	10000
13	कुल राजस्व				210000	225500	241525	253101	265256

14	शुद्ध रिटर्न (डी-सी)				99250	115663	126346	132313	138579
----	----------------------	--	--	--	-------	--------	--------	--------	--------

नोट - चूंकि श्रम कार्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा किया जाएगा और उनके स्थान पर पहले से उपलब्ध घोल / गोबर / अपशिष्ट और इन सामग्रियों की खरीद नहीं की जाएगी, इसलिए आवर्ती लागत (श्रम लागत, घोल / गोबर / अपशिष्ट की खरीद की लागत) कुल आवर्ती लागत से घटाया जा सकता है।

आर्थिक विश्लेषण

विवरण	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5	
पूंजी लागत	144000	0	0	0	0	
आवर्ती लागत	110750	109837	115179	120788	126677	
कुल लागत	254750	109837	115179	120788	126677	727231
कुल लाभ	210000	225500	241525	253101	265256	1195382
शुद्ध लाभ	-44750	115663	126346	132313	138579	468151
लागत का शुद्ध वर्तमान मूल्य @15 प्रतिशत	727231					
लाभ का शुद्ध वर्तमान मूल्य @15 प्रतिशत	1195382					
लाभ लागत अनुपात	1.64					

शुद्ध लाभ का वितरण - उत्पादन में हिस्सेदारी के अनुसार।

12. आर्थिक विश्लेषण के निष्कर्ष

- ➔ प्रत्येक सदस्य के लिए गड्डे का आकार एक गड्डे के लिए 10X4X2 फीट की योजना बनाई गई है।
- ➔ वर्मी कम्पोस्ट की उत्पादन लागत रु. 3.2 प्रति किग्रा
- ➔ वर्मी कम्पोस्ट (रूढ़िवादी पक्ष) की बिक्री रु. 6 प्रति किलो
- ➔ शुद्ध लाभ रु. 2.8 प्रति किग्रा
- ➔ यह प्रस्तावित है कि प्रत्येक सदस्य प्रत्येक वर्ष 2.7 टन वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन करेगा जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष में स्वयं सहायता समूह के सभी 15 सदस्यों द्वारा 40 टन वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन किया जाएगा।
- ➔ केंचुआ की कीमत रु. 500.00 प्रति किग्रा
- ➔ दूसरे वर्ष के दौरान, बिक्री के लिए अधिशेष केंचुआ होगा (क्योंकि यह वर्मी-कम्पोस्ट के उत्पादन की प्रक्रिया के दौरान कई गुना बढ़ जाएगा)
- ➔ वर्मी कम्पोस्ट बनाना एक लाभदायक IGA है और इसे लिया जा सकता है

13. निधि की आवश्यकता:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना का योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	144000	1,08000	36,000
2	कुल आवर्ती लागत	110750	0	110750
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	50000	50000	0
	कुल =	304750	158000	146750

ध्यान दें-

- पूंजीगत लागत - पूंजीगत लागत का 75% परियोजना के तहत कवर किया जाएगा
- आवर्ती लागत - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

14. निधि के स्रोत:

परियोजना का योगदान	<ul style="list-style-type: none"> • पूंजीगत लागत का 75% पिट और शेड के निर्माण के लिए उपयोग किया जाएगा (आकार 10ftX4ftX2ft होगा) • एसएचजी बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। 	गड्डे/गड्डे के निर्माण के लिए सामग्री की खरीद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद की जाएगी।
एसएचजी योगदान	<ul style="list-style-type: none"> • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली पूंजीगत लागत का 25%, इसमें शेड/शेड के निर्माण की लागत शामिल है। • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत 	

15. बैंक ऋण चुकौती

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और नकद ऋण सीमा के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को वर्ष में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

परियोजना सहायता- डीएमयू द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन साल के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ➔ परियोजना उन्मुखीकरण समूह गठन/पुनर्गठन
- ➔ समूह अवधारणा और प्रबंधन
- ➔ आईजीए (सामान्य) का परिचय
- ➔ विपणन और व्यवसाय योजना विकास
- ➔ बैंक क्रेडिट लिंकेज और उद्यम विकास
- ➔ राज्य और बाहरी राज्य के भीतर एसएचजी/सीआईजी का एक्सपोजर दौरा

17. निगरानी तंत्र

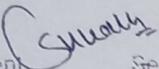
- ➔ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- ➔ एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

18.समूह के सदस्यों की तस्वीर-



Resolution-Cum-Group Consensus

It is decided in the General House Meeting of the group Hateshwari SHG Bhajanu held on 25-09-2021 at Bhajanu..... that our group will undertake the Vermicomposting as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management & Livelihoods (JICA Assisted).

President 
Secretary
Hateshwari Self Help Group
Bhajanu P.O. Nandpur
Telt. Jubbal Distt. Shimla (H.P.)

Signature of Group President


President
Secretary
Hateshwari Self Help Group
Bhajanu P.O. Nandpur
Telt. Jubbal Distt. Shimla (H.P.)

Signature of Group Secretary

Business Plan Approval by VFDS

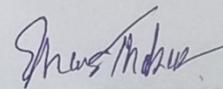
.....Hateshwari Self Help group will undertake the.....Vermi Composting as
Livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of
Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management & Livelihoods (JICA Assisted).
In this regard Business Plan of amount (Rs).....3,04,750/-.....has been
submitted by this group on dated.....25-09-2022and this business plan has been
approved byChetna.....VFDS. Badiyar - Bhajanu.

Business Plan with SHG resolution is being submitted to DMU through FTU for
further action, please.

Thank you

Signature of VFDS Pradhan

President Shukla
Chetna V. F. Dev. Society
Badiyar-....., Nandpur
Teh. Jubbal Distt. Shimla (H.P.)



Signature of VFDS Secretary

Chetna V. F. Dev. Society
Badiyar-Bhajanu G.P. Nandpur
Teh. Jubbal Distt. Shimla (H.P.)

Name & Signature of Authorized Signatories

<p>1. ATTAR SINGH President Chetna V. F. Dev. Society Badiyar-Bhajanu G.P. Nandpur Teh. Jubbah Distt. Shimla (H.P.)</p>	<p>2. SUNAM President Hataskwari SH6 Badiyar-Bhajanu.</p>
<p>3. ISHWAR SINGH Secretary Chetna V. F. Dev. Society Badiyar-Bhajanu G.P. Nandpur Teh. Jubbah Distt. Shimla (H.P.)</p>	<p>4. ANU Secretary Hataskwari SH4 Badiyar-Bhajanu.</p>

President
 Hataskwari SH6 Badiyar-Bhajanu
 Badiyar P.O. Shimla (H.P.)
 Teh. Jubbah Distt. Shimla (H.P.)
 Secretary
 Hataskwari SH4 Badiyar-Bhajanu

Submitted to DMU through FTU

[Signature]
 Name & Signature of FTU Officer
 Range Forest Officer
 Saraswati Nagar

[Signature]
 Name & Signature of FTU Co-coordinator
F. T. U. Coordinator
F.T.U./Range S. Na
D. M. U. Rohru

Approved

[Signature]
 Divisional Forest Officer
 Range Forest Division Badiyar
 Name & Signature of DMU Officer

